डैनी और उसका अंगूठा

कैथरीन



डैनी और उसका अंगूठा

कैथरीन





डैनी हमेशा अपना अंगूठा चूसता था.



बचपन से ही उसने अपना अंगूठा
चूसने की आदत पड़ गई थी.



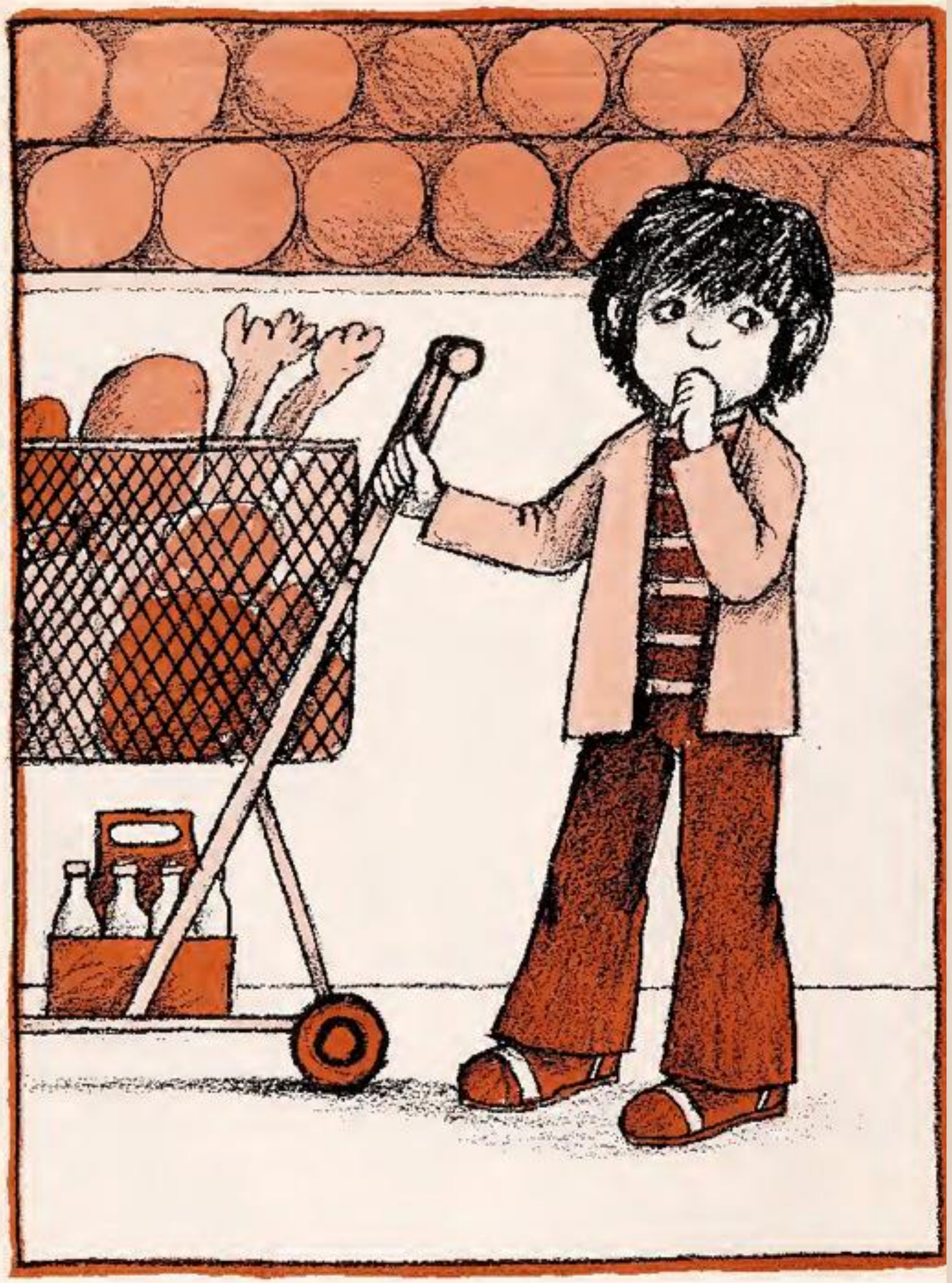
जब उसने अपने अंगूठे का स्वाद
चखा, तो उसे वो बहुत पसंद आया.



उसे मुंह में अपना अंगूठा रखना अच्छा
लगता था और उसे सकून मिलता था.



इसलिए जब कभी उसकी बहन उसे सिनेमा दिखाने
ले जाती तो भी डैनी अपना अंगूठा चूसता रहता था,



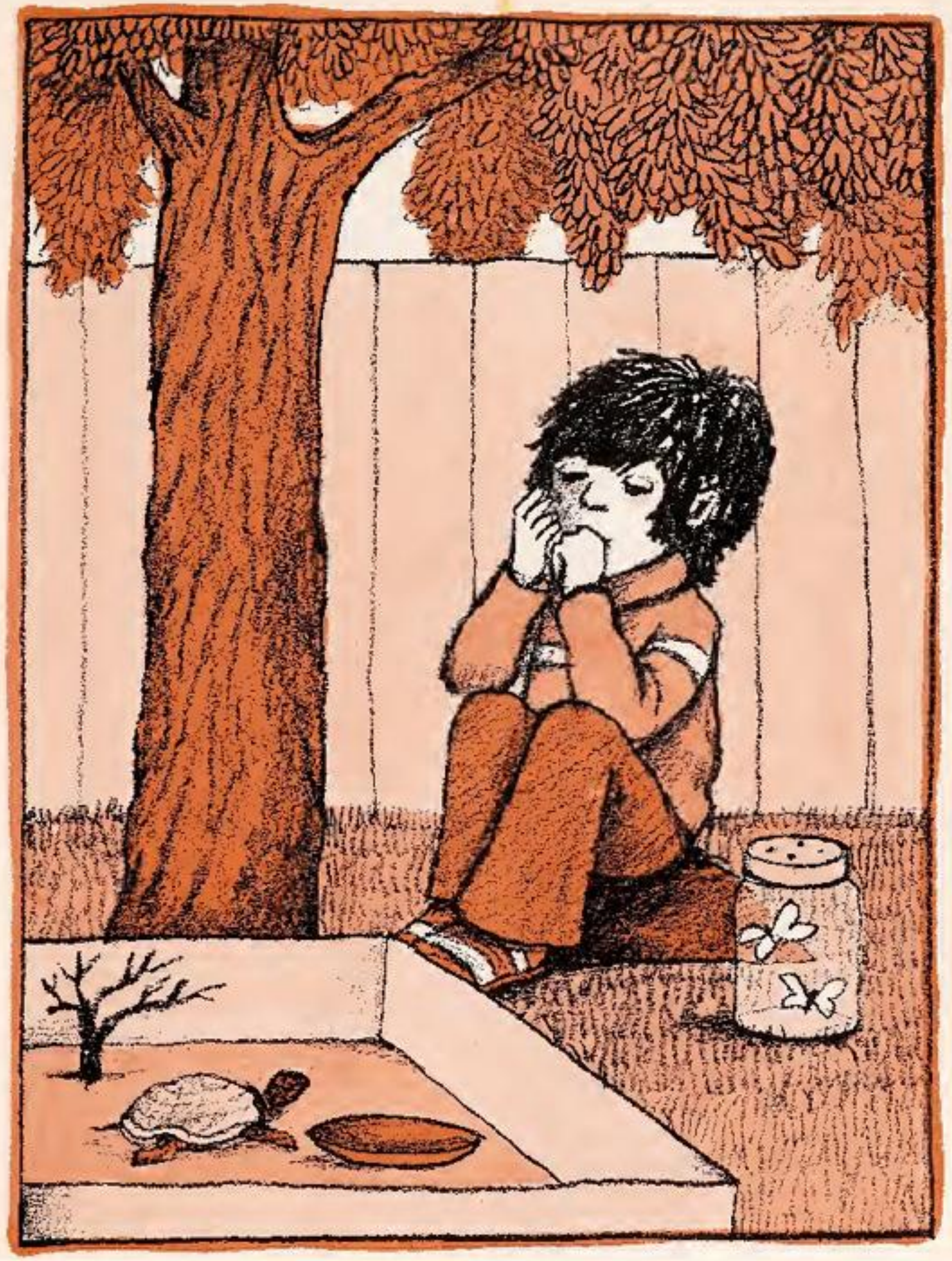
अपनी माँ का इंतज़ार करते हुए भी,



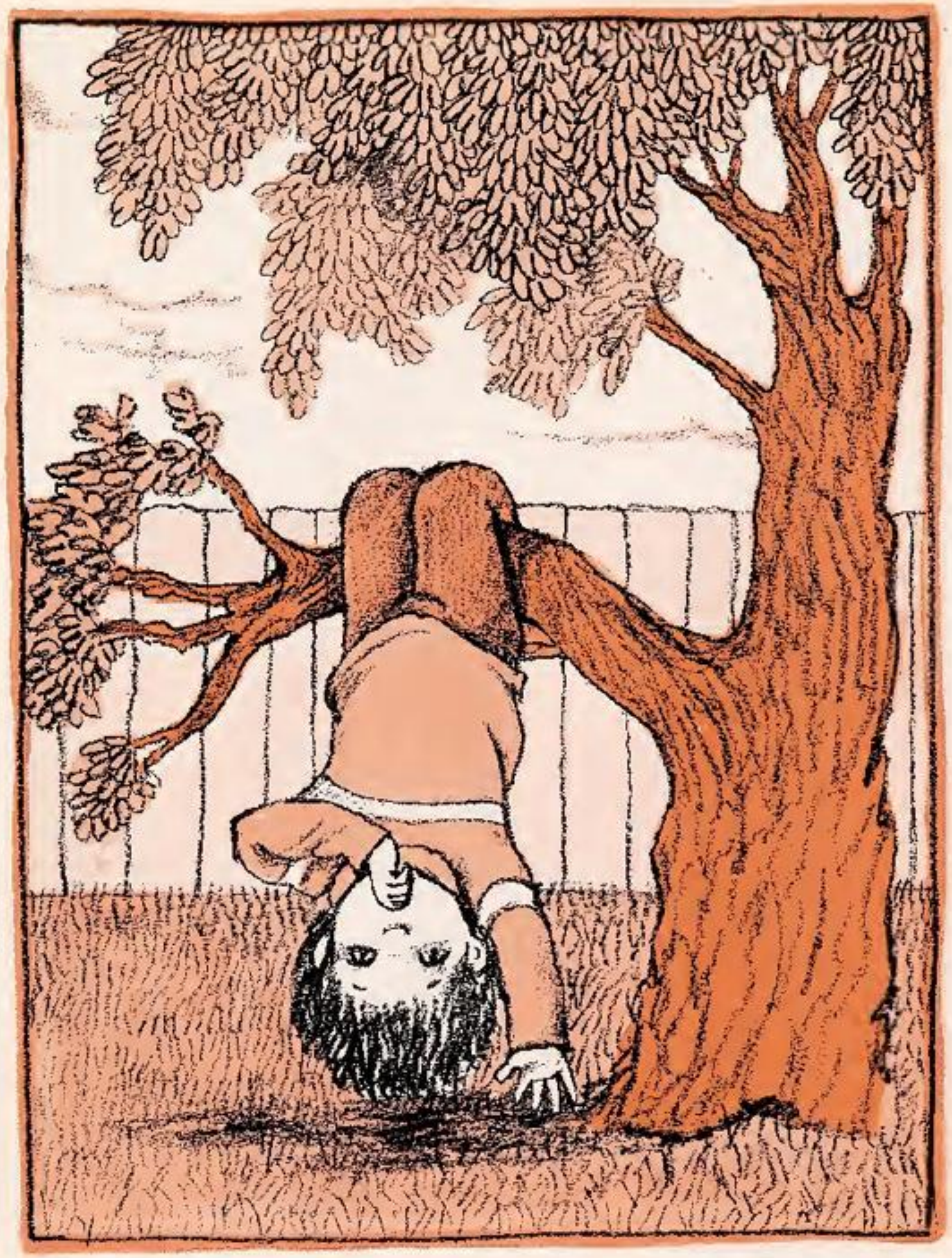
और कार में सवारी करते हुए भी,



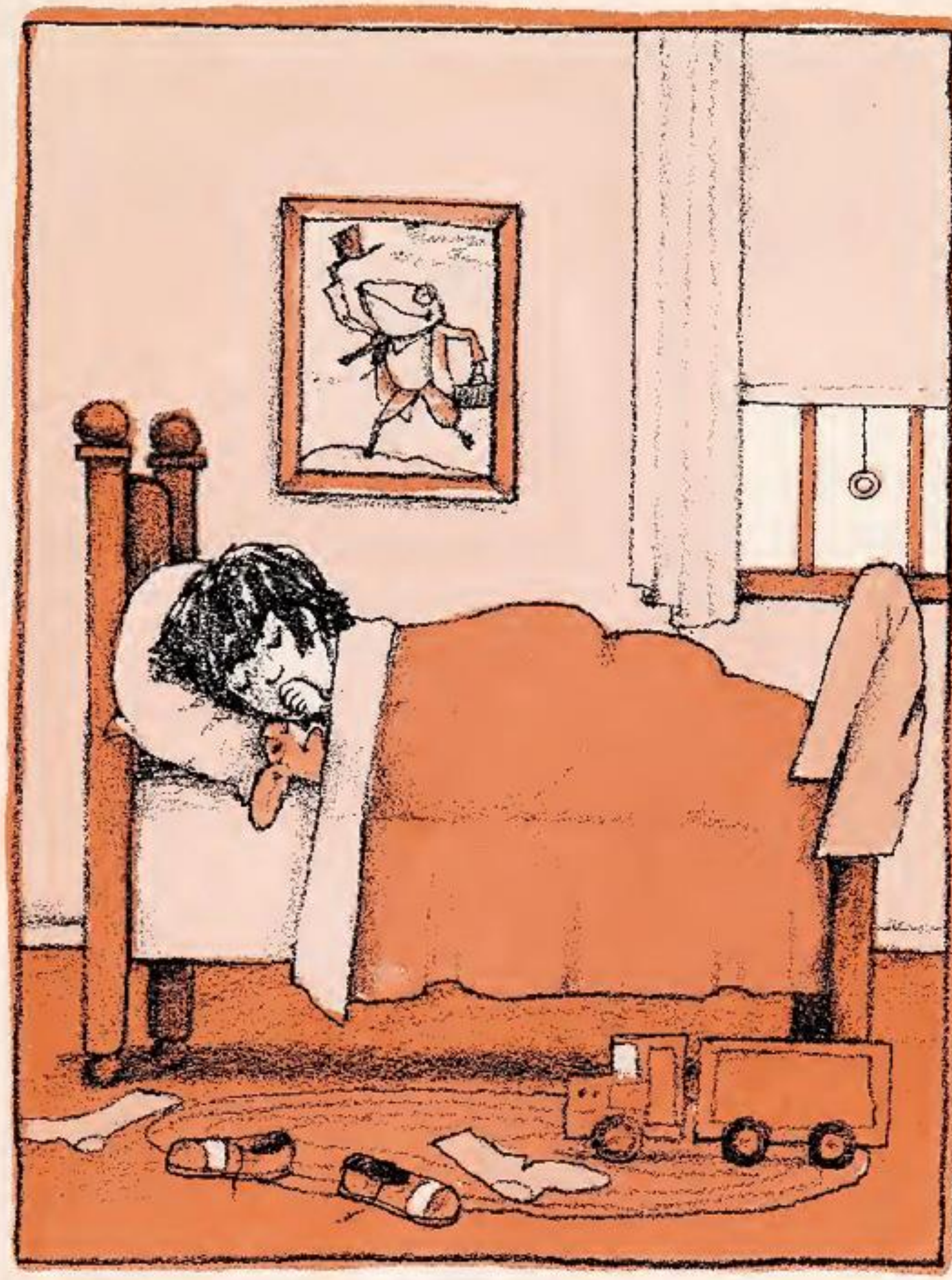
और बाल कटवाते समय भी,



और पिछवाड़े में बैठकर सोचते समय भी,



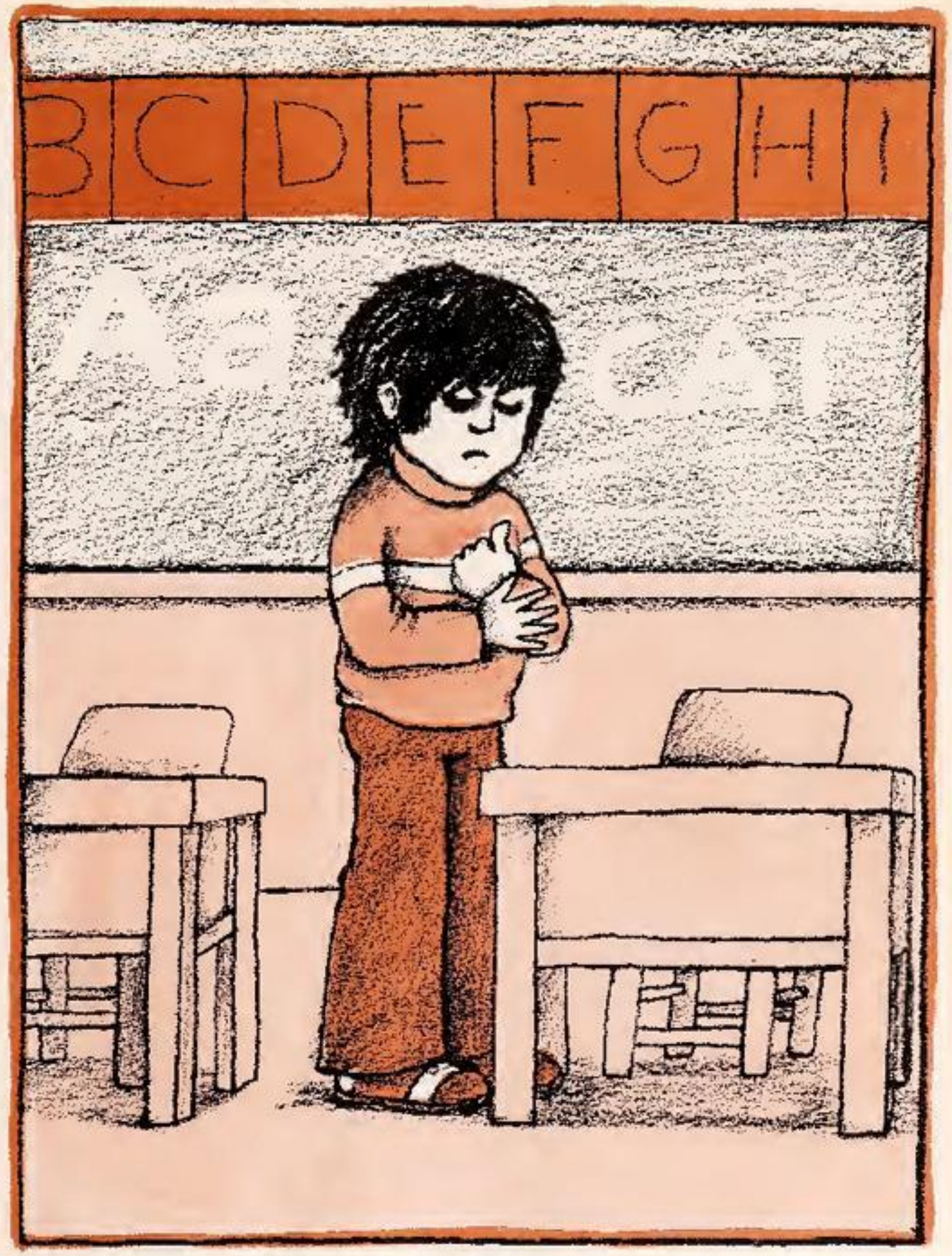
डैनी अपना अंगूठा चूसना रहता था.



और रात को सोते समय उसे अपना
अंगूठा चूसना बहुत ही पसंद था.



फिर एक सितंबर के दिन, स्कूल शुरू होने के ठीक बाद, डैनी को लगा कि अब उसे अपना अंगूठा चूसना उतना पसंद नहीं था, जितना पहले था.



उसे अपने अंगूठे पर बनी सख्त गाँठ भी पसंद नहीं आई.



डैनी को मां का यह कहना भी पसंद नहीं था, "डैनी, तुम्हें सच में अपना अंगूठा नहीं चूसना चाहिए. इससे तुम्हारे दांत बाहर को निकल आएंगे."



डैनी ने देखा कि उसके सबसे अच्छे दोस्त जॉनी ने भी अब अपना अंगूठा चूसना छोड़ दिया था.





एमी भी अपना अंगूठा नहीं चूसती थी.
उसे अंगूठा चूसना एक मूर्खतापूर्ण बात लगती थी.

डैनी ने यह भी पाया कि अब उसके पास अपना
अंगूठा चूसने के लिए उतना समय भी नहीं था
जितना कि उसके पास पहले हुआ करता था.



जब वो अपनी मछली की देखभाल कर रहा होता था
तब वो अपना अंगूठा नहीं चूस सकता था,



और बाइक की सवारी करते समय,



पढ़ना सीखते समय भी अंगूठा चूसना मुश्किल था



या जन्मदिन की मोमबत्तियां बुझाते समय भी,



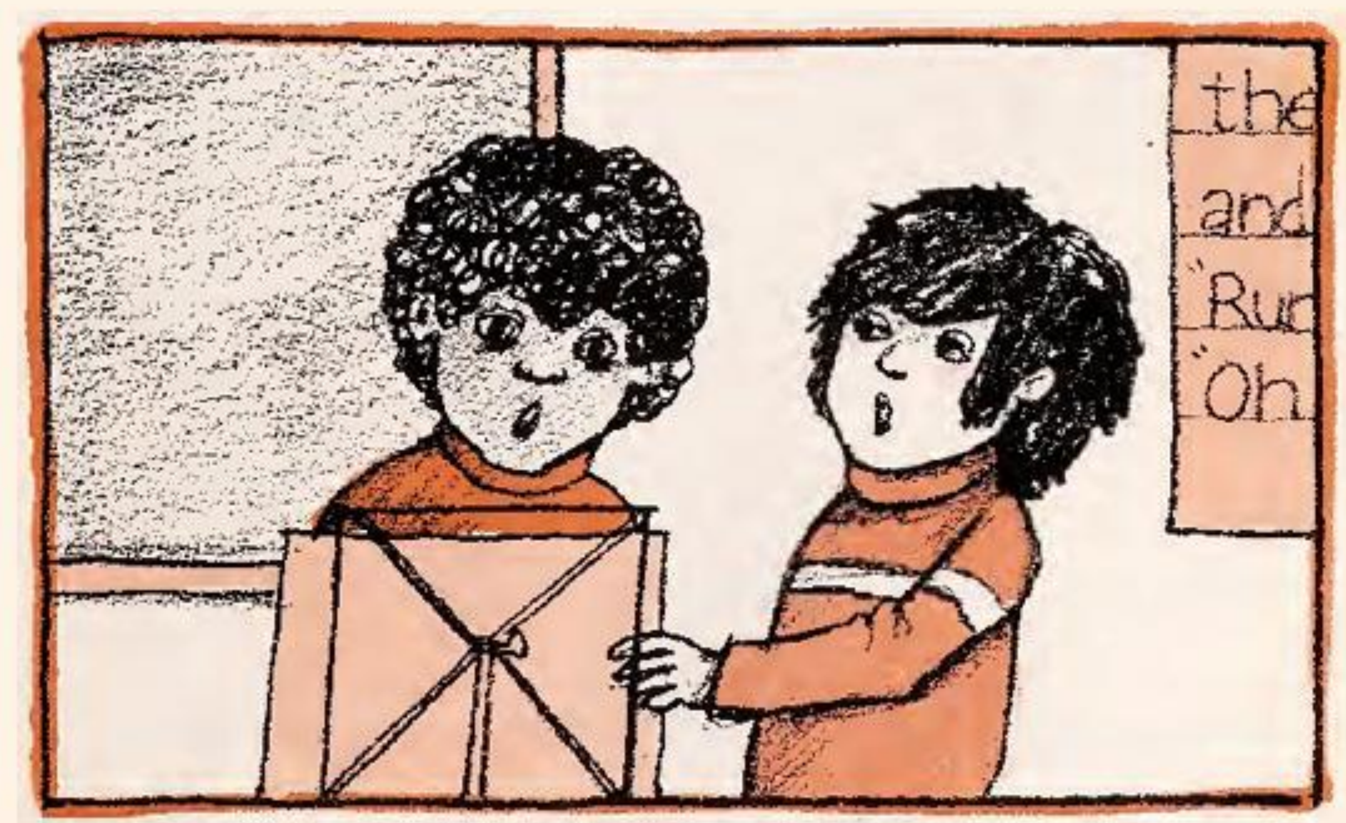
जब वो कचरा साफ़ करने में माँ की मदद कर रहा
होता था, तो भी वो अपना अंगूठा नहीं चूस सकता था



या जब वो फोन पर बात कर रहा होता था,



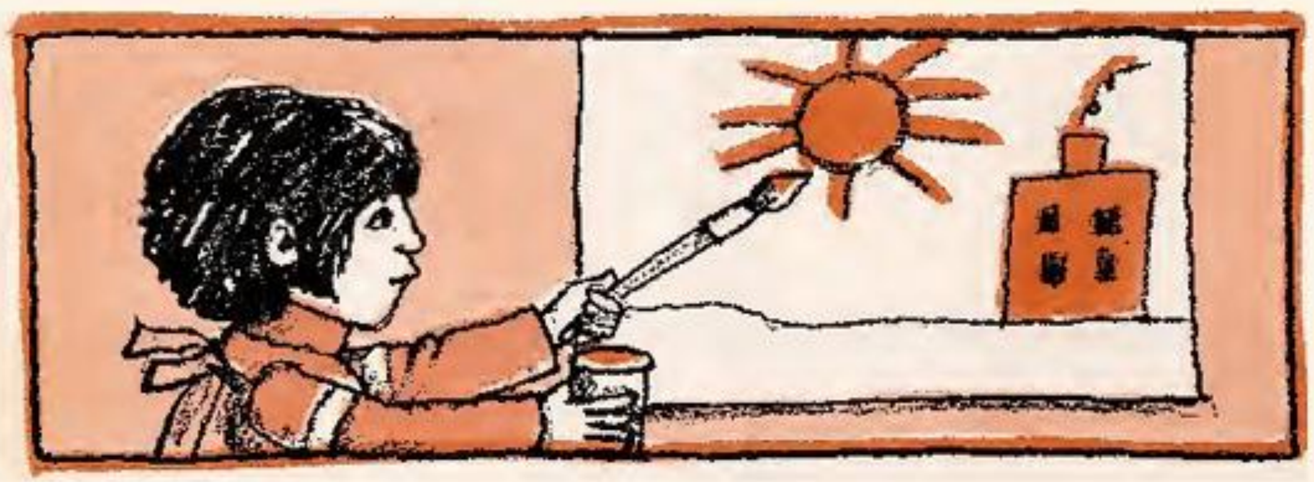
या फिर पिताजी के साथ बगीचे में काम कर रहा होता था,



या जब वो गाना गा रहा होता था.



कुकीज़ बनाते समय वो अपना अंगूठा नहीं चूस सकता था,



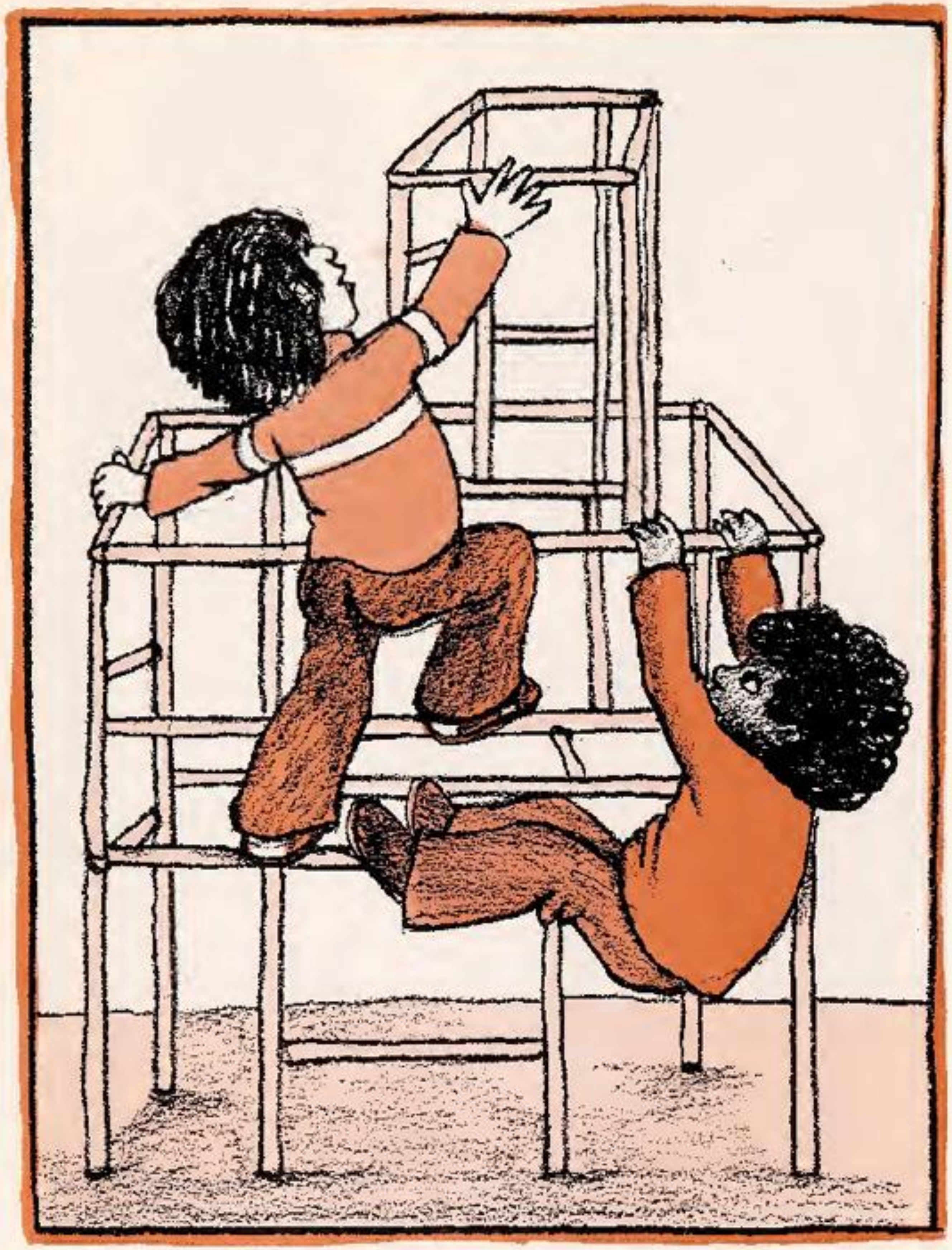
और पेंटिंग करते समय,



और रात का खाना खाते समय भी नहीं.



कक्षा के लड़के-लड़कियों के साथ हाथ मिलाते हुए वो अपना अंगूठा नहीं चूस सकता था.





अब डैनी को अंगूठे के बारे में उतना सोचने का समय ही नहीं मिलता था जितना पहले मिलता था.

अब वो अन्य कई चीजों के लिए अपने अंगूठे का उपयोग करता था. और धीरे-धीरे वो तमाम अन्य कामों में व्यस्त हो गया.



रात में जब डैनी बिस्तर में सोने जाता था तब वो अपने नाईटसूट के बटन लगाने के लिए अपने अंगूठे का इस्तेमाल करता था,



और बत्ती बुझाने के लिए भी,



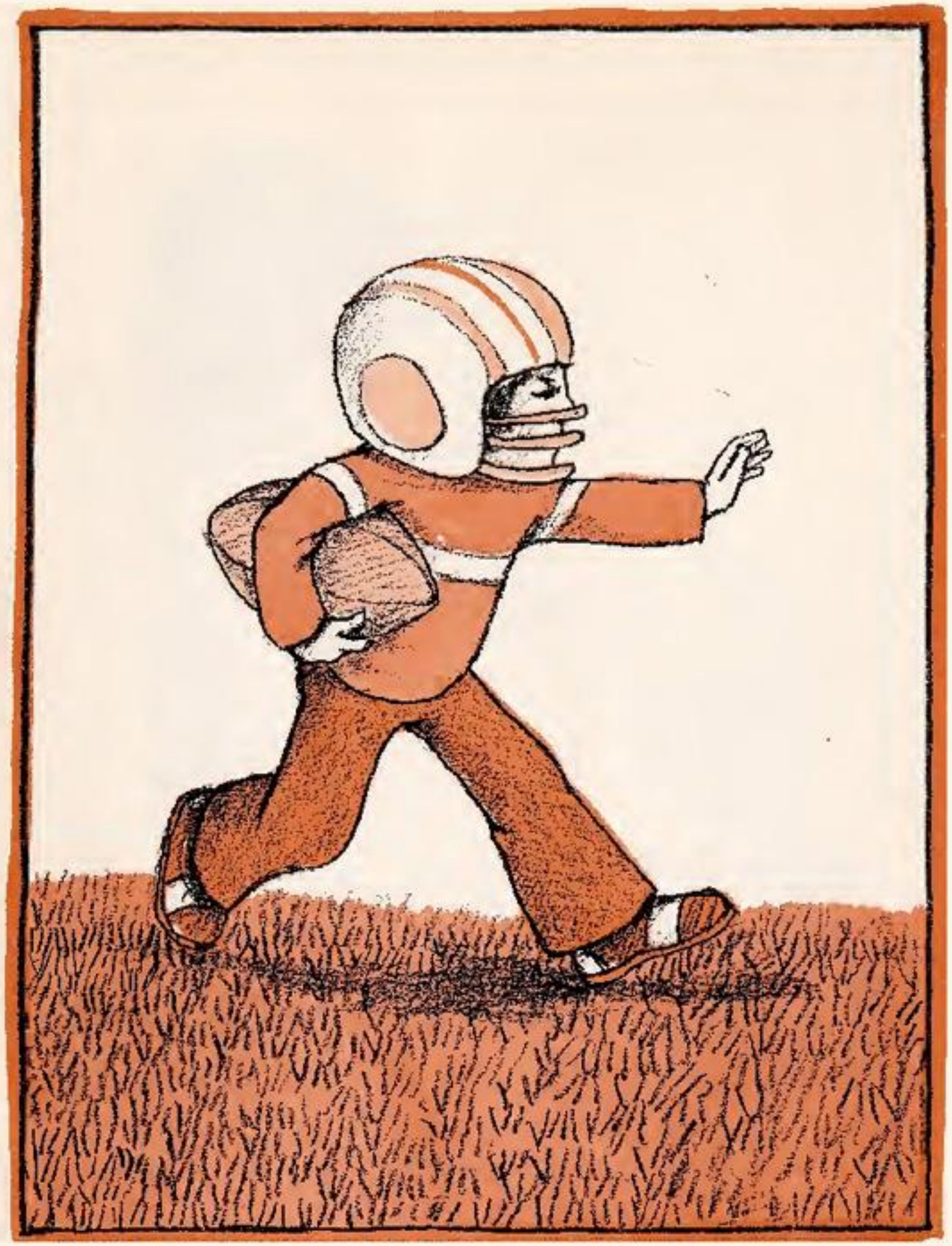
और अपनी माँ और पिताजी को गले लागाने के के लिए भी.



फिर वो अपने दोनों हाथों को तकिए के
नीचे रखकर, आँखें बंद करके सो जाता था.



कुछ दिनों बाद डैनी के अंगूठे पर
बनी सख्त गाँठ गायब हो गई,



और उसके बाद डैनी ने फिर से अपना

अंगूठा चूसने के बारे में कभी नहीं सोचा.

समाप्त